कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा
ब्लॉक सी–3, द्वितीय एवं तृतीय तल, इंद्रावती भवन,
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
(Email - highereducation.cg@gmail.com Website - www.highereducation.cg.gov.in)

कमांक 1684/214/आउशि/सम./2021 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 14-07-21

प्रति,

1. **कुलसचिव,**
   समस्त विश्वविद्यालय,
   छत्तीसगढ़
2. **प्राचार्य,**
   समस्त अग्रणी महाविद्यालय,
   छत्तीसगढ़

विषय :– **छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र 2021–22 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिध्दांत जारी करने के संबंध में।**

संदर्भ :– अवर सचिव, छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग का पत्र कमांक एफ 17–95/2017/38–2 दिनांक 03.07.2021।

******

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र के अनुक्रम में लेख है, कि छ.ग.शासन, उच्च शिक्षा विभाग के संदर्भित पत्र द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं के लिए सत्र 2021–22 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिध्दांत जारी किये गये है। प्रवेश मार्गदर्शिका सिध्दांत 2021–22 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित है।

कृपया आप अपने एवं अपने अधीनस्थ समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों को पत्र की छायाप्रति उपलब्ध कराते हुए प्रवेश मार्गदर्शिका सिध्दांत 2021–22 में दिये गये प्रावधानों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार।
(आयुक्त, उच्च शिक्षा द्वारा अनुमोदित)

14.7.2021
(डॉ. एच.पी.खैरवार)
अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

पृ.कमांक 1685/214/आउशि/सम./2021 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 14-07-21

प्रतिलिपि :–

1. अवर सचिव, छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय को संदर्भित पत्र के परिप्रेक्ष्य में सूचनार्थ।
2. क्षेत्रीय अपर संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय उच्च शिक्षा रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, अंबिकापुर, दुर्ग की ओर सूचनार्थ।

14.7.2021
अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

d:\praveen letter 2021\letter.docx222

Scanned with CamScanner

प्रवेश हेतु प्राथमिकता :–

स्नातक / स्नातकोत्तर / विधि कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार, अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांक के आधार पर प्रावीण्य सूची तैयार की जावेगी।

स्नातक / स्नातकोत्तर अगली कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार, अर्हकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित / उत्तीर्ण भूतपूर्व नियमित / एक विषय में पूरक प्राप्त पूर्व सत्र के नियमित / स्वाध्यायी विद्यार्थियों के क्रम में होगा।

विधि संकाय की अगली कक्षाओं में पूरक छात्रों के पहले उत्तीर्ण, परंतु 48 एग्रीगेट प्राप्त करने वाले छात्रों को प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जावे, अन्य क्रम यथावत रहेगा।

स्नातक स्तर के त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए प्रदेश के किसी भी महाविद्यालय में प्रदेश के अन्य स्थानों / तहसीलों / जिलों के निवासरत् अथवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले आवेदक विद्यार्थीयों को भी गुणानुक्रम से प्रवेश दिया जाए।

किसी एक विषय की स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी को अन्य विषय की स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश महाविद्यालय में स्थान रिक्त रहने की स्थिति में ही दिया जा सकेगा।

आरक्षण–छत्तीसगढ़ शासन की आरक्षण नीति के अनुरूप निम्नानुसार होगा :–

प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में प्रवेश में सीटों का आरक्षण तथा किसी शैक्षणिक संस्था में इसका विस्तार निम्नलिखित रीति से होगा, अर्थात् :–

(क) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा मे वार्षिक अनुज्ञप्त सख्या में से बत्तीस प्रतिशत सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रहेंगी।

(ख) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञप्त संख्या में से बारह प्रतिशत सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित रहेगी।

(ग) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञप्त संख्या में से चौदह प्रतिशत सीटें अन्य पिछडे वर्गो के लिए आरक्षित रहेगी। परन्तु, जहॉ अनुसूचित जनजातियां के साथ–साथ अनुसूचित जाति / अन्य पिछड़ा वर्ग के रिक्त सीटों पर भी विपरीत क्रम में पात्र आवेदकों को प्रवेश दिया जाएगा। आरक्षित सीटें पात्र विद्यार्थियों की अनुपलब्धता के कारण अंतिम तिथियों पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे विपरीत क्रम मे ... विद्यार्थियों में से भरा जाएगा।

परन्तु यह और कि पूर्वगामी परंतुक में निर्दिष्ट व्यवस्था के पश्चात् भी, जहाँ खण्ड (क) (ख) तथा (ग) के अधीन आरक्षित सीटें, अंतिम तिथियों पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे अन्य पात्र विद्यार्थियों से भरा जाएगा।

12.2 (1) बिन्दु क्र. 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन उपलब्ध सीटों का आरक्षण उर्ध्वाधर (वर्टीकल) रूप से अवधारित किया जाएगा।

(2) निःशक्त व्यक्तियों, महिलाओं, भूतपूर्व कार्मिको / भूतपूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बच्चों या व्यक्तियों के अन्य विशेष वर्गो के सबंध में क्षैतिज आरक्षण का प्रतिशत ऐसा होगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर इस अधिनियन के

Scanned with CamScanner

Chhattisgarh Educational Institutions (Reservation in Admission)

Act, 2012

(Act No. 9 of 2012)

Last Updated 14th October, 2019 [cg199]

[Dated 30.03.2012]

An Act to provide for reservation in admission of the students belonging to the Scheduled Tribes, the Scheduled Castes and the Other Backward Classes of citizens, to certain Educational Institutions established, maintained or aided by the State Government and for matters connected therewith or incidental thereto.

Be it enacted by the Chhattisgarh Legislature in the Sixty-third Year of the Republic of India, as follows : -

1. Short title, extent and commencement. - (1) This Act may be called the Chhattisgarh Educational Institutions (Reservation in Admission) Act, 2012.

(2) It extends to the whole State of Chhattisgarh.

(3) It shall come into force on such date as the State Government may, by notification, appoint.

Notes: **Date of enforcement Notification. - Notification No. F 13-8/2012/R.C./1-3 dated the 30th March, 2012.** - In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Chhattisgarh Educational Institutions (Reservation in Admission) Act, 2012 (No. 9 of 2012), the State Government, hereby, appoints the Thirtieth day of March, 2012 as the date on which said Act shall come into force.

2. Definitions. - In this Act, unless the context otherwise requires, -

(a)"Academic Session" means the period in a calendar year, or a part thereof, during which an Educational Institution is open for teaching or instruction in any branch of study or faculty;

(b)"Admission Test" means the examination conducted by or on behalf of the State Government or an Educational Institution for determining the eligibility of students for admission to Educational Institutions, and includes the Pre-Medical Test (PMT), the Pre-Engineering Test (PET), the Pre-Agriculture Test (PAT) or any other test, by whatever name it may be called;

(c) "Annual Permitted Strength" means the number of seats in a course or programme for teaching or instruction in each branch of study or faculty authorized by an appropriate authority for admission of eligible students to an Educational Institution;

(d) "Appropriate Authority" means the University Grants Commission, the Bar Council of India, the Medical Council of India, the All India Council for Technical Education, the Nursing Council of India, the Dental Council of India, Central Council of India Medicine or any other authority or body established by any act for the time being in force, for the determination, coordination or maintenance of standards of higher education in any Educational Institution;

(e) "Cut-off Date(s)" means the date(s) of admission to a course or programme of teaching or instruction in a branch of study or faculty in an academic session, as may be declared by the State Government or the Educational Institution, as the case may be, for the purposes of the filling up vacant seats under clause (a), (b) and (c) of Section 3;

(f) "Educational Institution" means, -

(i) A university established or incorporated by or under an Act of the Legislature of the State of Chhattisgarh;

(ii) An institution, other than a minority educational institution referred to in clause (1) of Article 30 of the Constitution, maintained by or receiving aid from the State Government, whether directly or indirectly, and affiliated to a university referred to in clause (i);

(iii) An educational institution established by the State Government under the Chhattisgarh Societies Registration Adhiniyam, 1973 (No. 44 of 1973);

(g)"Eligible Students" means those students who are eligible to be admitted to a course or programme of teaching or instruction in a branch of study or faculty, and possessing such qualifications as may be prescribed by the appropriate authority or the University or the State Government, as the case may be, or declared to be eligible, where so required, by the University or body authorized by the State Government for conducting the admission test, in respect of the admission to such course or programme of teaching or instruction in the branch of study or faculty;

(h) "Faculty" means the faculty of an Educational Institution;

(i) "Other Backward Classes" means the class or classes of citizens, not belonging to the creamy layer of society, who are socially and educationally backward and are so determined from time to time by State Government;

(j) *"Scheduled Castes"* means the Scheduled Castes as notified in relation to the State of Chhattisgarh under Article 341 of the Constitution;

(k)"Scheduled Tribes" means the Scheduled Tribes as notified in relation to the State of Chhattisgarh under Article 342 of the Constitution;

(l) "Teaching or Instruction in any Branch of Study" means teaching or instruction in a branch of study leading to the award of diploma or degree at the bachelor (under-graduate), masters (post-graduate) and doctoral levels.

3.Reservation of seats in Educational Institutions. - The reservation of seats in admission to each academic session, and its extent in an Educational Institution shall be in the following manner, namely -

(a)out of the annual permitted strength in each branch of study or faculty, thirty two percent seats shall be reserved for the Scheduled Tribes;

(b)out of the annual permitted strength in each branch of study or faculty, twelve percent seats shall be reserved for the Scheduled Castes;

(c)out of the annual permitted strength in each branch of study or faculty, fourteen percent seats shall be reserved for the Other Backward Classes:

Provided that where the seats reserved for the Scheduled Tribes remain vacant due to non-availability of eligible students on the cut-off date(s). the same shall be filled from among eligible students belonging to the Scheduled Castes and *vice versa*.

Provided further that where seats reserved under clause (a), (b) and (c) remain vacant on the cut-off date(s), even after the arrangement referred to in the foregoing proviso, the same shall be filled from other eligible students.

Provided also that the State Government may, for the purpose of giving effect to reservation under this section, aggregate the annual permitted strength of any or all branches of study at the post-graduate or higher levels, if in the opinion of the State Government such reservation cannot be made in such branch or branches of study taken alone.